जिंदगी हुई खुशहाल
कर दिया ऐसा कमाल
एकपल में हुए मालामाल
आया जब आत्मा का ख्याल
पाया अपना स्वराज्य
खोया हुआ तख्त और ताज़
बुद्धि को खुला ताला
माया को दूर भगाया
किया था जिसने खाना खराब
पिला की विकारी शराब
पवित्रता को किया खंडित
ब्राह्मण से बनाया पंडित
कर्म काण्ड में फंसाया
हठ योग से रुलाया
देहधारियों में अटकाया
दृष्टि वृति को बहकाया
मिट्टी पालित कर दी काया
ऐसे में प्रभु राम को बुलाया
पावन होने का सबक पढ़ाया
उल्टी बुद्धि को सुल्टाया
ज्ञान-योग से उड़ना सिखाया
स्वधर्म में टिकाया
आत्मा को चमकाया
राहु की छाया से बचाया